



रोज खेलें और जीतें स्मार्टवॉच, स्पीकर व अन्य आकर्षक इनाम।

Q. आजाद हिंद फौज का नेतृत्व किसने किया था?

A. भगत सिंह

B. सुभाष चंद्र बोस

C. चंद्रशेखर आजाद

D. राजगुरु



स्केन करें और खेलें

www.LiveHindustan.com | Livehindustan | Livehindustannews | Live.hindustan



एमजीएम में खुलेगी स्किल लैब मॉडल पर अभ्यास करेंगे छात्र

विशेष

जमशेदपुर, प्रमुख संवाददाता। एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जल्द ही स्किल लैब खोलने की तैयारी है। इसमें एमबीबीएस के साथ पीजी के छात्र भी इलाज से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण ले सकेंगे। खास बात यह होगी कि छात्रों को शुरुआत में सीधे मरीजों पर प्रक्रिया करने के बजाय मॉडल और सिमुलेटर पर अभ्यास कराया जाएगा। इससे शुरुआती प्रशिक्षण के दौरान मरीजों को होने वाली परेशानी और प्रक्रिया में गलती की आशंका कम करने में मदद मिलेगी।

एमबीबीएस के साथ पीजी विद्यार्थियों को भी मिलेगा प्रशिक्षण का लाभ
इंजेक्शन, कैनुला, टांके और सैपल लेने जैसी प्रक्रियाओं का करेंगे अभ्यास

लैब जल्द तैयार करने की दिशा में काम किया जा रहा है। विद्यार्थियों को इलाज की व्यावहारिक बारीकियां सीखने का बेहतर अवसर मिलेगा।

— डॉ. संजय कुमार, प्राचार्य, एमजीएम

स्किल लैब में छात्रों को इंजेक्शन लगाने, नस में कैनुला डालने, टांके लगाने, सैपल लेने और प्राथमिक उपचार समेत इलाज से जुड़ी सामान्य प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। इसके लिए अलग-अलग प्रकार के मेडिकल मॉडल और सिमुलेटर उपलब्ध कराए जाएंगे। विशेषज्ञ शिक्षकों की देखरेख में छात्र इन

प्रक्रियाओं का बार-बार अभ्यास कर सकेंगे। प्राचार्य डॉ. संजय कुमार ने बताया कि मेडिकल शिक्षा में व्यावहारिक प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण स्थान है। अभी अस्पताल में मरीजों के इलाज के दौरान ही छात्रों को कई प्रक्रियाएं सीखने का अवसर मिलता है। शुरुआती स्तर पर अनुभव की कमी होने से गलतियों की आशंका बनी रहती है।

एमबीबीएस के साथ पीजी के विद्यार्थियों को भी लाभ

स्किल लैब का लाभ एमबीबीएस के अलावा पीजी विद्यार्थियों को भी मिलेगा। अलग-अलग विभागों के छात्र अपनी जरूरत के अनुसार संबंधित प्रक्रियाओं का अभ्यास कर सकेंगे। इससे छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उनकी व्यावहारिक दक्षता विकसित करने में मदद मिलेगी। मेडिकल कॉलेज प्रशासन की योजना के अनुसार लैब को चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा। इसमें प्रशिक्षण के लिए जरूरी उपकरण, मॉडल और सिमुलेटर उपलब्ध कराए जाएंगे।

पंजाब नैशनल बैंक



Punjab National Bank

...भरोसे का प्रतीक

...the name you can BANK upon!

ARMB, रॉची (पता: एस. एन. गंगुली रोड, राधेश्याम लेन, रॉची, जिला - रॉची, झारखंड - 834001 | फोन : 7300705205, ई-मेल: cs6794@pnb.bank.in

अचल सम्पत्ति की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) एवं 9(1) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना। एतद् द्वारा सामान्य रूप से आम जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ताओं एवं जमानतदारों को सूचना दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियों को सुरक्षित लेनदार को बंधक/प्राप्ति किया गया है, जिसका रचनात्मक/भौतिक/सांकेतिक जो भी लागू हो जिसका कब्जा बैंक के अधिकृत अधिकारी/प्रतिभूति लेनदार द्वारा लिया गया है। सम्बंधित उधारकर्ताओं एवं जमानतदारों से बैंक/सुरक्षित लेनदार होने के कारण अपनी बकाया राशि की वसूली के लिए नीचे दिये गये तालिका में उल्लेखित तिथि पर “जहाँ है”, “जैसा भी है” और “जो कुछ भी है” पर बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य और अग्रधन जमा राशि सम्बंधित सम्पत्तियों के सामने नीचे दिये गये तालिका में उल्लिखित है।

लॉट सं.	शाखा का नाम	बंधक/स्वामी के नाम के अचल सम्पत्तियों का विवरण (बंधककर्ता की सम्पत्ति (यों))	A) 13(2) SARFAESI एक्ट के तहत डिमांड नोटिस की तिथि	A) आरक्षित मूल्य (रु० लाख में)	ई-नीलामी की तिथि एवं समय
	खाता का नाम		B) डिमांड नोटिस की तिथि तक बकाया राशि	B) इएमडी	
01	उधारकर्ता/जमानतदारों के खाता का नाम एवं पता		C) कब्जा की तिथि 13(4) SARFAESI एक्ट 2002 के अनुसार	C) बोली वृद्धि राशि	06.10.2026 11:00 AM to 04:00 PM
			D) कब्जा का प्रकार सांकेतिक/भौतिक/रचनात्मक	D) Baanknet प्रोपर्टी आईडी	
शशांका कार्यालय : बिष्टुपुर, जमशेदपुर (097420)	श्रीमती वंदना सखुजा, पति - श्री विकास सखुजा, फ्लैट नंबर 1/2 पहली मंजिल, मितल रेजिडेंसी, ब्लॉक B, वाई नंबर 1, सोनारी, जमशेदपुर 831011	आवासीय फ्लैट संख्या 1/2, प्रथम तल, “मितल रेजिडेंसी ब्लॉक B” में स्थित, जिसका सुपर बिल्ट-अप क्षेत्रफल 900 वर्गफुट है, जिसमें भूमि पर अधिभाजित अनुपातिक अधिकार भी सम्मिलित है, साथ ही निचले भूतल (Lower Ground Floor) में एक हैचबैक निजी कार के लिए एक कार पार्किंग स्थान सहित, श्रीमती वंदना सखुजा के नाम पर स्थित है। सीमाएँ : उत्तर: फ्लैट संख्या 1/1, दक्षिण: आकाश की ओर खुला, पूर्व: आकाश की ओर खुला, पश्चिम: प्रसन्ना देवी	A) 17.02.2025	A) Rs 23,53,000.00	
			B) Rs. 44,72,654.23 + further interest	B) Rs. 2,35,300.00	
श्री विकास सखुजा, फ्लैट नंबर 1/2 पहली मंजिल, मितल रेजिडेंसी, ब्लॉक B, वाई नंबर 1, सोनारी, जमशेदपुर 831011			C) 06.12.2025	C) Rs 1,00,000.00	
			D) सांकेतिक कब्जा	D) PUNB67942214	

प्रतिभूति लेनदार को ज्ञात भार का विवरण - बैंक को ज्ञात नहीं

नियम एवं शर्तें

बिक्री सुरक्षा (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियमों एवं शर्तों के अधीन होगा और निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा।

01. सम्पत्तियों को “जहाँ है”, “जैसा भी है” और “जो कुछ भी है” के आधार पर बेचा जा रहा है।

02. अनुसूचि में निर्दिष्ट सुरक्षित परिसम्पत्तियों के विवरण को प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के लिए कहा गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत बयान या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होगा।

03. बिक्री वेबसाइट <https://baanknet.com> पर ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 06.10.2026 को अपराह्न 11:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक की जाएगी।

04. उपरोक्त उल्लिखित बयाना राशि (EMD) को PSB Alliance Private Limited के E-Wallet में (<http://baanknet.com>) पोर्टल के माध्यम से सीधे जमा किया जाएगा अथवा उसी पोर्टल पर चालान (Challan) उत्पन्न कर, उसमें दिए गए खाते के विवरण के अनुसार RTGS/NEFT के माध्यम से EMD जमा किया जाएगा। यह राशि दिनांक 05.10.2026 को 16:00 बजे से पूर्व अनिवार्य रूप से जमा की जानी चाहिए।

05. बिक्री की विस्तृत शर्तों और नियमों के लिए, कृपया <https://baanknet.com> और www.pnb.bank.in पर देखें।

SARFAESI अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) एवं 9(1) के तहत वैधानिक बिक्री सूचना

तिथि : 15.09.2026
स्थान : जमशेदपुर

नोट : विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ्य मान्य होगा।

प्राधिकृत अधिकारी
पंजाब नेशनल बैंक, प्रतिभूति दाता



संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड



हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

प्रकृति - पूजा करम पर्व

पर समस्त झारखण्डवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं जोहार

'करम' प्रकृति की आराधना का पर्व है।

आज जब पर्यावरण असंतुलन के कारण मानवता संकट में पड़ती दिख रही है, ऐसे समय में 'करम' जैसे प्राकृतिक पर्वों की महत्ता बढ़ जाती है। हमारे पूर्वजों ने जब प्रकृति को परमेश्वर का प्रतिरूप मानकर उसकी पूजा-अर्चना प्रारम्भ की, तब उसके पीछे एक सुचिन्तित दर्शन था। एक वैज्ञानिक चेतना थी। यह स्पष्ट समझ थी कि समस्त जीव-जगत एवं वनस्पति जगत के साथ सामंजस्य ही जीवमंडल में संतुलन रख पायेगा। हमारे पूर्वजों ने सात्विक भावना से वृक्षों को ईश्वर माना और नदियों को माँ कह कर पुकारा, आज उनकी इन भावनाओं की पुनः प्रतिष्ठा का संकल्प लें।